Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

D—2007

PAPER—III

Time : 2½ hours] **HINDI** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

HINDI

हिन्दी

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

नोट : यह प्रश्न पत्र कुल चार (4) खण्डों में विभाजित है। पूरा प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है। परीक्षार्थियों को चार खण्डों में विभाजित प्रश्नों के उत्तर यथास्थान दिये गये आवश्यक निर्देशों के अनुसार देने हैं।

खण्ड – I

निर्देश : ***निम्नलिखित पद्य-अवतरण के आधार पर अधिकतम तीस (30) शब्दों में अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।***

उठ उठ री लघु लघु लोल लहर।
करुणा की नव अँगराई-सी,
मलयानिल की परछाई-सी,
इस सूखे तट पर छिटक छहर।
शीतल कोमल चिर कम्पन-सी,
दुर्ललित हठीले बचपन-सी,
तू लौट कहाँ जाती है री —
यह खेल खेल ले ठहर ठहर।
उठ उठ गिर गिर फिर-फिर आती,
नर्तित पद-चिह्न बना जाती,
सिकता की रेखाएँ उभार —
भर जाती अपनी तरल-सिहर।

1. 'लहर' का प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए।

2. ‘सूखे तट’ से कवि का क्या अभिप्राय है?

3. काव्य भाषा की दृष्टि से इन पंक्तियों की विशेषताएँ बताइये।

4. प्रकृति-चित्रण की दृष्टि से इन पंक्तियों में क्या नवीनता है?

5. मनुष्य जीवन से इस कविता का क्या सम्बन्ध है?

खण्ड – II

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम तीस (30) शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।

6. निर्गुण और सगुण भक्ति को जोड़ने वाले अन्तः सूत्रों का प्रतिपादन कीजिए।

7. 'मानुस प्रेम भयौ बैकुंठि' — जायसी के इस कथन का क्या आशय है?

8. बिहारी के दोहों को 'नावक के तीर' क्यों कहा गया है?

9. नवजागरण की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

10. निराला ने 'मुक्त छन्द' को किस रूप में परिभाषित किया है? स्पष्ट कीजिए।

11. 'आद्यबिम्ब' किसे कहते हैं?

12. 'राहों के अन्वेषी' से अज्ञेय का क्या तात्पर्य है?

13. केदारनाथ अग्रवाल किसान-संवेदना के कवि हैं। स्पष्ट कीजिए।

14. ‘आदर्शोन्मुख यथार्थवाद’ की अवधारणा को समझाइए।

15. नयी कहानी की शिल्पगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

16. 'महत्वाकांक्षा का मोती निष्ठुरता की सीपी में रहता है।' — 'चन्द्रगुप्त' नाटक की इस उक्ति का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए।

17. 'अंधायुग' नाटक के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

18. रामचन्द्र शुक्ल की निबन्ध-शैली की विशेषताएँ बताइए।

19. 'सहृदय' किसे कहते हैं?

20. अरस्तू का विरेचन सिद्धान्त प्लेटो के किस विचार का प्रतिवाद है?

खण्ड – III

निर्देश : निम्नलिखित ***चार वैकल्पिक वर्गों*** में से ***किसी एक वर्ग*** का चुनाव करें और ***उसी वैकल्पिक वर्ग*** के ***पाँचों प्रश्नों*** का उत्तर दें।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम दो सौ (200) शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारह (12) अंक हैं।

विकल्प – I : (भक्ति काव्य)

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :

ईस्वर अंस जीव अविनासी। चेतन अमल सहज सुखरासी।।
सो मायाबस भयउ गोसाई। बँध्यो कीर मरकट की नाई।।
जड़ चेतनहि ग्रंथि परि गई। जदपि मृषा छटत कठिनाई।।
तब ते जीव भयउ संसारी। छूट न ग्रंथि न होइ सुखारी।।
श्रुति पुरान बहु कहेउ उपाई। छूट न अधिक अधिक अरुझाई।।
जीव हृदयँ तम मोह विसेषी। ग्रंथि छूट किमि परइ न देखी।।

22. भक्ति काव्य किन अर्थों में लोक जागरण की अभिव्यक्ति है? — विचार कीजिए।

23. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने किन अर्थों में कबीर को 'अस्वीकार के साहस का कवि' कहा है? — स्पष्ट कीजिए।

24. जायसी की सौन्दर्य-दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

25. 'सूर का काव्य 'वृत्ति' के उत्कर्ष का दर्शन है।' — स्पष्ट कीजिए।

विकल्प – II (छायावाद)

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

    विषमता की पीड़ा से व्यस्त
        हो रहा स्पंदित विश्व महान;
    यही दुख सुख विकास का सत्य
        यही भूमा का मधुमय दान।

22. छायावादी काव्य-भाषा की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

23. निराला के काव्य में प्रगति और प्रयोग की दिशाओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

24. 'पल्लव' की भूमिका छायावाद का घोषणा पत्र है।' — रचना और विचार के वे कौन से आयाम हैं, जो पल्लव की भूमिका के महत्व को ज्ञापित करते हैं।

25. महादेवी की काव्यानुभूति का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

विकल्प – III (कथा-साहित्य)

21. निम्नलिखित गद्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :

    उसका सम्पूर्ण जीवन प्रकृति से स्थायी सहयोग है। वृक्षों में फल लगते हैं, उन्हें जनता खाती है, खेती में अनाज होता है, वह संसार के काम आता है; गाय के थन में दूध होता है, वह खुद पीने नहीं जाती, दूसरे ही पीते हैं, मेघों से वर्षा होती है, उससे पृथ्वी तृप्त होती है। ऐसी संगति में कुत्सित स्वार्थ के लिए कहाँ स्थान ?

22. स्वाधीनता आन्दोलन और हिन्दी उपन्यास के अन्तस्सम्बन्धों पर विचार कीजिए।

23. 'शेखर एक जीवनी' के मनो वैज्ञानिक आयामों पर प्रकाश डालिए।

24. 'हिन्दी कथा-साहित्य में स्त्री-विमर्श की दिशाएँ बहुत सुविचारित और स्पष्ट नहीं है।' — इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

25. समकालीन हिन्दी कहानी के संवेदनागत वैशिष्ट्य का उल्लेख कीजिए।

विकल्प – IV (काव्यशास्त्र और आलोचना)

21. 'विभावानुभाव व्यभिचारि संयोगाद्रस निष्पत्ति' — भरत मुनि के इस सूत्र का विश्लेषण कीजिए।

22. 'औचित्य स्वतन्त्र काव्य सम्प्रदाय न होकर एक ऐसा विचार है जिसका अन्तर्भाव सभी सम्प्रदायों में है।' सार गर्भित उत्तर दीजिए।

23. मानवतावादी समीक्षक के रूप में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के आलोचना-कर्म का मूल्यांकन कीजिए।

24. आई.ए. रिचर्ड्स के 'मूल्य सिद्धान्त' की मूल स्थापनाओं का परिचय दीजिए।

25. उत्तर आधुनिकता की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – IV

निर्देश : निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर अधिकतम एक हजार (1000) शब्दों में निबंध लिखिए। इस प्रश्न के चालीस (40) अंक हैं।

26. (क) भक्तिकाव्य और आधुनिक जीवन-सन्दर्भ;

(ख) छायावादी काव्य में राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना;

(ग) हिन्दी कथा-साहित्य में दलित विमर्श;

(घ) समकालीन हिन्दी आलोचना : स्वरूप और संभावनाएँ।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....